चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Hawk	17.09.2023	--	--

CCS HAU Is Doing Commendable Work In Providing The Latest World Class Technology To The Farmers: Agriculture Minister JP Dalal

Chandigarh (The Hawk): Praising Chaudhary Charan Singh Agricultural University, Haryana Agriculture and Farmers Welfare Department Minister J.P. Dalal said that the university is making available to the farmers the latest technologies available in world class institutions. He had a detailed discussion with the expert scientists from abroad and students of the university and said that the university is playing an important role in benefiting the farmers. We are in an era of Artificial Intelligence (AI) and Nation has to prepare good master trainers and experts in this field, to uplift the education and improvement in the agricultural outputs. While discussing with the students participating in the workshop, he praised about students' capabilities and hard work. He added that such workshops give them an international platform. Referring to the high-level technologies being made in our country like the vaccine made during the Covid period and the recent landing of Chandrayaan-3 on the Moon, he said that low cost and high-level technologies are attracting other countries.

A 10-day international workshop is being organized in the College of Basic Sciences and Humanities of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University. Workshop is being organized by the Department of Botany and Plant Physiology under NAHEP-IDP programme, with a theme "Application of Physiology, Phenomics and Genomics for Improved Crop Breeding". ". During this workshop, Haryana Agriculture and Farmers Welfare Department Minister J.P. Dalal was the chief guest and Vice Chancellor of the University, Prof. B.R. Kamboj was chief patron. In this workshop, Dr. Surya Kant from Australia, Dr. Roi ben David from Israel and Dr. Pejman Rusti and Dr. Roman Fernandez from France were the key note speakers from the well renowned Institutes of the world to deliver lectures in their respective subjects.

Vice Chancellor of the University Prof. B.R. Kamboj said that not only foreign technologies are being brought here in the university but other countries are also benefiting from the high-level technologies here. The university is continuously striving to increase the income of the farmers, for which the university is adopting cutting edge technologies to advance crop improvement programs in a short time. He said that the university is doing admirable work at the international level in the fields of education and agriculture. He said that in the last year, about 100 students have been sent by the university to prestigious educational institutions of the world to for international exposure and higher education at the expense of the university. He said that most of our students come from rural background and the university provides them an international platform by sending them to do research work in the best research institutes abroad for the future. Besides, university is also hosting international students from other countries for studying here.

During this discussion, Dr. ROi Ben David from Israel and Dr. Pejman from France praised the international level facilities and the enthusiasm of the students.

—Jag Mohan Thaken

Divine To Rapper Nas: Thank You

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	18.9.23	4	1-6

विश्वस्तर की नवीनतम तकनीक किसानों तक पहुंचाने में विश्वविद्यालय कर रहा सराहनीय कार्य : दलाल

अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में कृषि मंत्री ने आस्ट्रेलिया, फ्रांस व इजराइल से पहुंचे वैज्ञानिकों से की चर्चा

हिसार, 17 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का आयोजन एन.ए.एच.ई.पी-आई.डी.पी प्रोग्राम के तहत डिपार्टमैंट ऑफ बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलॉजी द्वारा किया जा रहा है, जिसका मुख्य विषय ''बेहतर फसल प्रजनन के लिए फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग'' है।

इस कार्यशाला के दौरान हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मंत्री जे.पी. दलाल बतौर मुख्यातिथि व संरक्षक, के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज उपस्थित रहें। इस कार्यशाला में पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. के.डी. शर्मा व नीरज कुमार है, जबकि डॉ. विनोद गोयल इस कार्यशाला के आयोजक सचिव रहे। इस कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से डॉ. सूर्यकांत, इजराल से डॉ. राईबिन डेविड व फ्रांस से डॉ. पेजमान रस्टी व डॉ. रोमन फर्नेडेज पहुंचे तथा अपने-अपने विषयों में व्याख्यान दिए।

कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञों को संबोधित करते कृषि मंत्री जे.पी. दलाल।

हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मंत्री दलाल, विदेश से आए विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से विस्तृत चर्चा की व विश्व स्तर के संस्थानों में चल रही नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आजकल आर्टीफिशियल इंटैलीजैंसी (ए.आई) का जमाना है। उसके लिए हमें अच्छे मास्टर ट्रेनरों व विशेषज्ञों को तैयार करने की जरूरत है, जिससे इस तकनीक के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को शिक्षित किया जा सकें।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय में न केवल विदेशी तकनीकों को यहां लाया जा रहा है बल्कि यहां की उच्च स्तर की तकनीकों से दूसरे देश भी लाभन्वित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय लगातार किसानों के आय बढ़ाने के लिए प्रयासरत है, जिसके लिए विश्वविद्यालय ऐसी तकनीकों को अपना रहा है, जिसमें कम समय में उन्नत तकनीकें विकसित की जा सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा व कृषि क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष में लगभग 100 विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए विश्व के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में भेजा गया है।

विदेशी विशेषज्ञों ने हकृवि के विद्यार्थियों को फ्रांस, इजराइल व आस्ट्रेलिया आने का दिया न्यौता

इस चर्चा के दौरान इजराइल से आए डॉ. राईबिन डेविड व फ्रांस से आए डॉ. पेजमान ने कृषि विश्वविद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं है। उन्होंने बताया कि यहां के विद्यार्थी बहुत ही मेहनती व जिज्ञासी है। विदेशों से आए विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय में हो रही उच्च स्तर की शिक्षा व शोध कार्य और सुविधाओं से परिपूर्ण से प्रभावित होकर कुलपति से कहा कि आप यहां के विद्यार्थियों को आर्टीफिशियल इंटिलेजेंसी जैसी उगा तकनीकों को सीखने के लिए न्यौता दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	18.9.23	3	3-8

अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में कृषि मंत्री ने आस्ट्रेलिया, फ्रांस व इजराइल से पहुंचे वैज्ञानिकों से की चर्चा

विश्वस्तर की नवीनतम तकनीक किसानों तक पहुंचाने में विवि कर रहा सराहनीय कार्य : कृषि मंत्री

सार (सच कहूँ न्यूज)।। धरी चरण सिंह हरियाणा कृषि श्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान वं मानविकी महाविद्यालय में 10 वसीय अंतराष्ट्रीय कार्यशाला का ायोजन किया जा रहा है। इस ार्यशाला का आयोजन न.ए.एच.ई.पी-आई.डी.पी प्रोग्राम तहत डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी वं प्लांट फिजियोलॉजी द्वारा किया जा रहा है, जिसका मुख्य वषय 'बेहतर फसल प्रजनन के लए फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग' । इस कार्यशाला के दौरान रियाणा कृषि एवं किसान ल्याण विभाग के मंत्री जेपी लाल बतौर मुख्यातिथि व रक्षक के रूप में विश्वविद्यालय

के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज उपस्थित रहें। इस कार्यशाला में पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. के.डी. शर्मा व नीरज कुमार है, जबकि डॉ. विनोद गोयल इस कार्यशाला के आयोजक सचिव रहे। इस कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से डॉ. सूर्यकांत, इजराल से डॉ. राईबिन डेविड व फ्रांस से डॉ. पेजमान रस्टी व डॉ. रोमन फनेडेंज पहुंचे तथा अपने-अपने विषयों में व्याख्यान दिए। हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मंत्री जेपी दलाल, विदेश से आए विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से विस्तृत चर्चा की व विश्व स्तर के संस्थानों में चल रही नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय की सराहनी की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आजकल आर्टीफिशियल इंटिलेजेंसी (ए. आई) का जमाना है। उसके लिए हमें अच्छे मास्टर ट्रेनरों व विशेषज्ञों को तैयार करने की जरूरत है, जिससे इस तकनीक के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को शिक्षित किया जा सकें। उन्होंने कार्यशाला में भाग ले रहे विद्यार्थियों से भी चर्चा करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थी योग्य व मेहनती है। ऐसी कार्यशाला से उनको अंतराष्ट्रीय मंच मिलता है। उन्होंने हमारे देश में बन रही उच्च स्तर की तकनीकें जैसे कोविड काल में बनी वैक्सीन व अभी हाल ही में चंद्रमा पर चंद्रयान-3 की लैंडिंग का जिक्र करते हुए कहा कि कम लागत व उच्च स्तर की तकनीकें दूसरे देशों को आकर्षित कर रही हैं और यह हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उद्देश्य 'वसुधैव कुटुम्बकम' को सफल कर रही है।

विदेशी विशेषज्ञों ने हकृवि के विद्यार्थियों को फ्रांस, इजराइल व आस्ट्रेलिया आने का दिया न्योता

इस चर्चा के दौरान इजराइल से आए डॉ. राईबिन डेविड व फ्रांस से आए डॉ. पेजमान ने कृषि विश्वविद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां अंतराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं है। उन्होंने बताया कि यहां के विद्यार्थी बहुत ही मेहनती व जिज्ञासी है। विदेशों से आए विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय में हो रही उच्च स्तर की शिक्षा व शोध कार्य और सुविधाओं से परिपूर्ण से प्रभावित होकर कुलपति से कहा कि आप यहां के विद्यार्थियों को आर्टीफिशियल इंटिलेजेंसी जैसी उच्च तकनीकों को सीखने के लिए न्योता दिया। विश्वविद्यालयों की सुविधाओं को देखकर उदयपुर से आए प्रतिभागी ने कहा कि काश मेरा भी दाखिला यहां हो पाता। इस दौरान ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल, सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित डॉ. विनोद गोयल, डॉ. पी. भास्कर एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	18.9.23	2	1-2

'आज एआई का जमाना, हमें अच्छे मास्टर ट्रेनर व विशेषज्ञों की जरूरत'

एचएयू में विशेषज्ञों को संबोधित करते कृषि मंत्री जेपी दलाल। स्रोत : आयोजक

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में चल रही 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के छठे दिन कृषि मंत्री जेपी दलाल पहुंचे। कृषि मंत्री ने आस्ट्रेलिया, फ्रांस व इजराइल से पहुंचे वैज्ञानिकों से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि आज आर्टीफिशियल इंटेलेजेंसी का जमाना है। उसके लिए हमें अच्छे मास्टर ट्रेनरों व विशेषज्ञों को तैयार करने की जरूरत है, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को शिक्षित किया जा सके।

विदेशी विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को दिया न्योता

कार्यशाला में पहुंचे ऑस्ट्रेलिया से डॉ. सूर्यकांत, इस्त्राइल से डॉ. राइबिन डेविड व फ्रांस से डॉ. पेजमान रस्टी व डॉ. रोमन फर्नेडेज ने व्याख्यान दिए। डॉ. राइबिन डेविड व डॉ. पेजमान ने कृषि विश्वविद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं है। यहां के विद्यार्थी मेहनती व जिज्ञासु है। विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आर्टीफिशियल इंटेलेजेंसी जैसी तकनीकों को सीखने के लिए न्योता भी दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	18.9.23	5 --	1-4

विश्व स्तर की नवीनतम तकनीक किसानों तक पहुंचाने में विश्वविद्यालय कर रहा सराहनीय कार्य : जे.पी. दलाल

अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में कृषि मंत्री ने आस्ट्रेलिया, फ्रांस व इजराइल से पहुंचे वैज्ञानिकों से की चर्चा

हिसार, 17 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का आयोजन एन.ए.एच.ई.पी-आई.डी.पी प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलॉजी द्वारा किया जा रहा है, जिसका मुख्य विषय ''बेहतर फसल प्रजनन के लिए फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग'' है। इस कार्यशाला के दौरान हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मंत्री जेपी दलाल बतौर मुख्यातिथि व संरक्षक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज उपस्थित रहें। इस कार्यशाला में पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. के.डी. शर्मा व नीरज कुमार है, जबकि डॉ. विनोद गोयल इस कार्यशाला के आयोजक सचिव रहे। इस कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से डॉ. सूर्यकांत, इजराल से डॉ. राईबिन डेविड व फ्रांस से डॉ. पेजमान रस्टी व डॉ. रोमन फर्नेंडेज पहुंचे तथा अपने-अपने विषयों में व्याख्यान दिए। हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मंत्री जेपी दलाल, विदेश से आए विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से विस्तृत चर्चा की व विश्व स्तर के संस्थानों में चल रही नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय की सराहनी की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आजकल आर्टीफिशियल इंटिलेजेंसी (ए. आई) का जमाना है। उसके लिए हमें अच्छे मास्टर ट्रेनरों व विशेषज्ञों को तैयार करने की जरूरत है, जिससे इस तकनीक के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को शिक्षित किया जा सकें। उन्होंने कार्यशाला में भाग ले रहे विद्यार्थियों से भी चर्चा करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थी योग्य व मेहनती है। ऐसी कार्यशाला से उनको अंतर्राष्ट्रीय मंच मिलता है। उन्होंने हमारे देश में बन रही उच्च स्तर की तकनीकें जैसे कोविड काल में बनी वैक्सीन व अभी हाल ही में चंद्रमा पर चंद्रयान-3 की लैंडिंग का जिक्र करते हुए कहा कि कम लागत व उच्च स्तर की तकनीकें दूसरे देशों को आकर्षित कर रही हैं और यह हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उद्देश्य 'वसुधैव कुटुम्बकम्' को सफल कर रही है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय में न केवल विदेशी तकनीकों को यहां लाया जा रहा है बल्कि यहां की उच्च स्तर की तकनीकों से दूसरे देश भी लाभन्वित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय लगातार किसानों के आय बढ़ाने के लिए प्रयासरत है, जिसके लिए विश्वविद्यालय ऐसी तकनीकों को अपना रहा है, जिसमें कम समय में उन्नत तकनीकें विकसित की जा सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा व कृषि क्षेत्र में अंतराष्ट्रीय स्तर पर सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष में लगभग 100 विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए विश्व के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में भेजा गया है। उन्होंने बताया कि हमारे यहां ज्यादातार विद्यार्थी ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं, उन्हें विश्वविद्यालय अंतराष्ट्रीय मंच प्रदान करते हुए विदेशों में बेहतरीन शोध संस्थानों में भविष्य के लिए शोध कार्य करने के लिए भेज रहा है। साथ ही दूसरे देशों के विद्यार्थी भी हमारे यहां शिक्षा ग्रहण करने आ रहे हैं। इस चर्चा के दौरान इजराइल से आए डॉ. राईबिन डेविड व फ्रांस से आए डॉ. पेजमान ने कृषि विश्वविद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं है। उन्होंने बताया कि यहां के विद्यार्थी बहुत ही मेहनती व जिज्ञासी है। विदेशों से आए विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय में हो रही उच्च स्तर की शिक्षा व शोध कार्य और सुविधाओं से परिपूर्ण से प्रभावित होकर कुलपति से कहा कि आप यहां के विद्यार्थियों को आर्टीफिशियल इंटिलेजेंसी जैसी उच्च तकनीकों को सीखने के लिए न्यौता दिया। विश्वविद्यालयों की सुविधाओं को देखकर उदयपुर से आए प्रतिभागी ने कहा कि काश मेरा भी दाखिला यहां हो पाता। इस दौरान ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल, सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित डॉ. विनोद गोयल, डॉ. पी. भास्कर एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मंत्री जे.पी. दलाल विदेशी विशेषज्ञों को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत करते।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	18.9.23	4 --	3-4

आर्टिफिशियल इंटेलेजेंसी सीखने के लिए दिया विदेशी विशेषज्ञों का छात्रों को न्योता

कार्यशाला में विदेशी विशेषज्ञों का स्वागत करते मुख्यातिथि कृषि मंत्री जेपी दलाल।

जासं, हिसार: हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला चल रही है। इसका मुख्य विषय बेहतर फसल प्रजनन के लिए फिजियोलाजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग है। मुख्यातिथि कृषि मंत्री जेपी दलाल व संरक्षक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज उपस्थित रहे। कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से डा. सूर्यकांत, इजराल से डा. राईबिन डेविड व फ्रांस से डा. पेजमान रस्टी व डा. रोमन फर्नेडेज पहुंचे। मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलेजेंसी (एआइ) का जमाना है। हमें अच्छे मास्टर ट्रेनरों व विशेषज्ञों को तैयार करने की जरूरत है। विदेशी विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलेजेंसी जैसी उच्च तकनीकों को सीखने के लिए उनके देश भेजने का न्योता दिया। इस दौरान पाठ्यक्रम निदेशक डा. केडी शर्मा व नीरज कुमार, डा. विनोद गोयल, ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डा. बलवान सिंह मंडल मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि किरण न्यूज	17.9.2023	--	--

Hari Kiran News

विश्व स्तर की नवीनतम तकनीक किसानों तक पहुंचाने में विश्वविद्यालय कर रहा सराहनीय कार्य : कृषि मंत्री जे पी दलाल

- अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में कृषि मंत्री ने आस्ट्रेलिया, फ्रांस व इजराइल से पहुंचे वैज्ञानिकों से की चर्चा

हिसार। हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का आयोजन एनएएचईपी-आईडीपी प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलॉजी द्वारा किया जा रहा है, जिसका मुख्य विषय 'बेहतर फसल प्रजनन के लिए फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग' है। इस कार्यशाला के दौरान हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मंत्री जेपी दलाल मुख्य अतिथि के तौर पर व संरक्षक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज उपस्थित रहे। कार्यशाला में पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. केडी शर्मा व नीरज कुमार है, जबकि डॉ. विनोद गोयल इस कार्यशाला के आयोजक सचिव रहे। इस कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से डॉ. सूर्यकांत, इजराल से डॉ. राईबिन डेविड व फ्रांस से डॉ. पेंजमान रस्टी व डॉ. रोमन फर्नेडज पहुंचे तथा अपने-अपने विषयों में व्याख्यान दिए।

हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मंत्री जेपी दलाल, विदेश से आए विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से विस्तृत चर्चा की व विश्व स्तर के संस्थानों में चल रही नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय की सराहनी की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आजकल आर्टीफिशियल इंटिलेजेंसी (एआई) का जमाना है। उसके लिए हमें अच्छे मास्टर ट्रेनरों व विशेषज्ञों को तैयार करने की जरूरत है, जिससे इस तकनीक के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को शिक्षित किया जा सकें। उन्होंने कार्यशाला में भाग ले रहे विद्यार्थियों से भी चर्चा करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थी योग्य व मेहनती है। ऐसी कार्यशाला से उनको अंतराष्ट्रीय मंच मिलता है। उन्होंने हमारे देश में बन रही उच्च स्तर की तकनीकें जैसे कोविड काल में बनी वैक्सीन व अभी हाल ही में चंद्रमा पर चंद्रयान-3 की लैंडिंग का जिक्र करते हुए कहा कि कम लागत व उच्च स्तर की तकनीकें दूसरे देशों को आकर्षित कर रही हैं और यह हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उद्देश्य 'वसुधैव कुटुम्बकम्' को सफल कर रही है।

विश्वविद्यालय की अंतराष्ट्रीय स्तर पर पहचान और मजबूत हो रही है : प्रो. बीआर कम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने विश्वविद्यालय में न केवल विदेशी तकनीकों को यहां लाया जा रहा है बल्कि यहां की उच्च स्तर की तकनीकों से दूसरे देश भी लाभन्वित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय लगातार किसानों के आय बढ़ाने के लिए प्रयासरत है, जिसके लिए विश्वविद्यालय ऐसी तकनीकों को अपना रहा है, जिसमें कम समय में उन्नत तकनीकें विकसित की जा सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा व कृषि क्षेत्र में अंतराष्ट्रीय स्तर पर सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष में लगभग 100 विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए विश्व के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में भेजा गया है। उन्होंने बताया कि हमारे यहां ज्यादातर विद्यार्थी ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं, उन्हें विश्वविद्यालय अंतराष्ट्रीय मंच प्रदान करते हुए विदेशों में बेहतरीन शोध संस्थानों में भविष्य के लिए शोध कार्य करने के लिए भेज रहा है। साथ ही दूसरे देशों के विद्यार्थी भी हमारे यहां शिक्षा ग्रहण करने आ रहे हैं।

विदेशी विशेषज्ञों ने हकृवि के विद्यार्थियों को फ्रांस, इजराइल व आस्ट्रेलिया आने का दिया न्यौता

इस चर्चा के दौरान इजराइल से आए डॉ. राईबिन डेविड व फ्रांस से आए डॉ. पेंजमान ने कृषि विश्वविद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां अंतराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं है। उन्होंने बताया कि यहां के विद्यार्थी बहुत ही मेहनती व जिज्ञासी है। विदेशों से आए विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को आर्टीफिशियल इंटिलेजेंसी जैसी उच्च तकनीकों को सीखने के लिए न्यौता दिया। विश्वविद्यालयों की सुविधाओं को देखकर विश्वविद्यालय में हो रही उच्च स्तर की शिक्षा व शोध कार्य और सुविधाओं से परिपूर्ण से प्रभावित होकर कुलपति से कहा कि आप यहां के विद्यार्थियों को आर्टीफिशियल इंटिलेजेंसी जैसी उच्च तकनीकों को सीखने के लिए न्यौता दिया। उदयपुर से आए प्रतिभागी ने कहा कि काश मेरा भी दाखिला यहां हो पाता।

इस दौरान ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल, सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित डॉ. विनोद गोयल, डॉ. पी. भास्कर एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

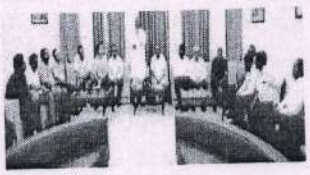

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	17.9.2023	--	--

दैनिक सवेरा टाइम्स

कृषिमंत्री विदेशी वैज्ञानिकों से कार्यशाला में हुए रू-ब-रू

● विश्व स्तर की नवीनतम तकनीक किसानों तक पहुंचाने में विवि कर रहा सराहनीय कार्य : जे.पी. दलाल

मुख्यातिथि हरियाणा कृषि द किसान कल्याण विभाग के मंत्री जेपी दलाल द्वारा विदेशी विशेषज्ञों को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत करते।

सवेरा न्यूज/ सुरेंद्र सोढी

हिसार 17 सितंबर : हरियाणा कृषि व किसान कल्याण विभाग के मंत्री जेपी दलाल, विदेश से आए विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से विस्तृत चर्चा की व विश्व स्तर के संस्थानों में चल रही नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का आयोजन एन.ए.एच.ई.पी-आई.डी.पी प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी व प्लांट फिजियोलॉजी द्वारा किया जा रहा है, जिसका मुख्य विषय बेहतर फसल प्रजनन के लिए फिजियोलाजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग है। इस कार्यशाला के दौरान हरियाणा कृषि व किसान कल्याण विभाग के मंत्री जेपी दलाल बतौर मुख्यातिथि व संरक्षक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज उपस्थित रहें। इस कार्यशाला में पाठ्यक्रम निदेशक डा. के.डी. शर्मा व नीरज कुमार है, जबकि डा. विनोद गोयल इस कार्यशाला के आयोजक सचिव रहे। इस कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से डा. सूर्यकांत, इजराइल से डा. राईबिन डेविड व फ्रांस से डा. पेजमान रस्टी व डा. रोमन फर्नेडेज पहुंचे तथा अपने-अपने विषयों में व्याख्यान दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय में न केवल विदेशी तकनीकों को यहां लाया जा रहा है बल्कि यहां की उच्च स्तर की तकनीकों से दूसरे देश भी लाभान्वित हो रहे है। विदेशी विशेषज्ञों ने हकृवि के विद्यार्थियों को फ्रांस, इजराइल व आस्ट्रेलिया आने का दिया न्यौता इस चर्चा के दौरान इजराइल से आए डा. राईबिन डेविड व फ्रांस से आए डा. पेजमान ने कृषि विश्वविद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं है। इस दौरान ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डा. बलवान सिंह मंडल, सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित डा. विनोद गोयल, डा. पी. भास्कर एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	18.9.23	5	4-8

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 73वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में किया पौधारोपण

पौधरोपण के बाद उनका पालन-पोषण व संरक्षण जरूरी : काम्बोज

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। पेड़-पौधे हमारे जीवन के रक्षक है। इसलिए खास अवसर पर जैसे जन्मदिवस, पूजा-अर्चना में पौधरोपण जरूर करें। पौधरोपण के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी जरूरी है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 73वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण करने के उपरांत बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के भू-दृश्य संरचना इकाई की ओर से किया गया। मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने संबोधित कर सर्वप्रथम अमृत महोत्सव के दौरान 75 हजार पेड़ लगाने पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, गैरशिक्षक कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी है। हमें ऐसे महान व्यक्तित्व के जन्मदिवस पर पौधरोपण करना उन्हें सही मायनों में जन्मदिन की बधाई देना है। उन्होंने कहा कि घर में चाहे कोई भी कार्यक्रम हो या फिर परिवार के किसी का जन्मदिन भी हो तो अवश्य एक पौधा जरूर लगाए। साथ ही उसकी देखभाल करने की शपथ भी लें। उन्होंने कहा कि हमारे देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी कहा था कि धरती माता हमें अनाज देने में सक्षम है लेकिन यह हमारे लालच को पूरा नहीं कर सकती। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारियों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया। मुख्यातिथि ने पौधरोपण कार्यक्रम में पौधों में लुप्त हो रही प्रजाति जाल के पौधे लगाए।

भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने मुख्यातिथि सहित उपस्थित अन्य अधिकारीगणों, शिक्षाविदें, वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों का स्वागत किया। साथ ही अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने का सभी से आह्वान कर उनका महत्व भी बताया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित कर्मचारी भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	18.9.23	5	5-8

पौधरोपण के बाद उनका पालन-पोषण व प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 73वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में पौधरोपण किया

हिसार, 17 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): पेड़-पौधे हमारे जीवन के रक्षक है। इसलिए खास अवसर पर जैसे जन्मदिवस, पूजा-अर्चना में पौधरोपण जरूर करें। पौधरोपण के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी जरूरी है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 73वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण करने के उपरांत बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के भू-दृश्य संरचना इकाई की ओर से किया गया। मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने संबोधित कर सर्वप्रथम अमृत महोत्सव के दौरान 75 हजार पेड़ लगाने पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, गैरशिक्षक कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी है। हमें ऐसे महान व्यक्तित्व के जन्मदिवस पर पौधरोपण करना उन्हें सही मायनों में जन्मदिन की बधाई देना है। उन्होंने कहा कि घर में चाहे कोई भी कार्यक्रम हो या फिर परिवार के किसी का जन्मदिन भी हो तो अवश्य एक पौधा जरूर लगाए। साथ ही उसकी देखभाल करने की शपथ भी लें। उन्होंने कहा कि हमारे देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी कहा था कि धरती माता हमें अनाज देने में सक्षम है लेकिन यह हमारे लालच को पूरा नहीं कर सकती। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारियों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया। मुख्यातिथि ने पौधरोपण कार्यक्रम में पौधों में लुप्त हो रही प्रजाति जाल के पौधे लगाए। भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने मुख्यातिथि सहित उपस्थित अन्य अधिकारीगणों, शिक्षाविदें, वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों का स्वागत किया। साथ ही अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने का सभी से आह्वान कर उनका महत्व भी बताया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित कर्मचारी भी मौजूद रहे।

हकृवि में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर पौधारोपण करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18.9.23	2	5-6

पौधरोपण के बाद पालन-पोषण जरूरी : काम्बोज

हिसार| पेड़-पौधे हमारे जीवन के रक्षक हैं। इसलिए खास अवसर पर जैसे जन्मदिवस, पूजा-अर्चना में पौधरोपण जरूर करें। पौधरोपण के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी जरूरी है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 73वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण करने के उपरांत बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	18.9.23	4--	1-8

हकृवि में पौधारोपण करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

पौधारोपण के बाद उनका पालन-पोषण व प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार, 17 सितम्बर (ब्यूरो): पेड़-पौधे हमारे जीवन के रक्षक है। इसलिए खास अवसर पर जैसे जन्मदिवस, पूजा-अर्चना में पौधारोपण जरूर करें। पौधारोपण के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी जरूरी है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे।

वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 73 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण करने के उपरांत बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के भू-दृश्य संरचना इकाई की ओर से किया गया। मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने पौधरोपण कार्यक्रम में पौधों में लुप्त हो रही प्रजाति जाल के पौधे लगाए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	18.9.23	10	7-8

पौधरोपण के बाद उनका पालन-पोषण व प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी

हिसार। पेड़-पौधे हमारे जीवन के रक्षक है। इसलिए खास अवसर पर जैसे जन्मदिन, पूजा-अर्चना में पौधरोपण जरूर करें। पौधरोपण के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी जरूरी है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कही। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 73वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण करने के उपरांत उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के भू-दृश्य संरचना इकाई की ओर से किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. काम्बोज ने संबोधित कर सर्वप्रथम अमृत महोत्सव के दौरान 75 हजार पेड़ लगाने पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी है। हमें ऐसे महान व्यक्तित्व के जन्मदिवस पर पौधरोपण करना उन्हें सही मायनों में जन्मदिन की बधाई देना है। उन्होंने कहा कि घर में चाहे कोई भी कार्यक्रम हो या फिर परिवार के किसी का जन्मदिन भी हो तो अवश्य एक पौधा जरूर लगाए। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित कर्मचारी भी मौजूद रहे।

- हकृवि में प्रधानमंत्री मोदी के 73वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में पौधरोपण किया

हिसार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर पौधारोपण करते कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	17.9.2023	--	--

पौधरोपण के बाद उनका पालन-पोषण व प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। पेड़-पौधे हमारे जीवन के रक्षक है। इसलिए खास अवसर पर जैसे जन्मदिवस, पूजा-अर्चना में पौधरोपण जरूर करें। पौधरोपण के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी जरूरी है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 73वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण करने के उपरांत बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के भू-दृश्य संरचना इकाई की ओर से किया गया।

मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने संबोधित कर सर्वप्रथम अमृत महोत्सव के दौरान 75 हजार पेड़ लगाने पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, गैरशिक्षक कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी है। हमें ऐसे महान व्यक्तित्व के जन्मदिवस पर पौधरोपण करना उन्हें सही मायनों में जन्मदिन की बधाई देना है। उन्होंने कहा कि घर में चाहे कोई भी कार्यक्रम हो या फिर परिवार के किसी का जन्मदिन भी हो तो अवश्य एक पौधा जरूर लगाए। साथ ही उसकी देखभाल करने की शपथ भी लें। उन्होंने कहा कि हमारे देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी कहा था कि धरती माता हमें अनाज देने में सक्षम है लेकिन यह हमारे लालच को पूरा नहीं कर सकती। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारियों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया। मुख्यातिथि ने पौधरोपण कार्यक्रम में पौधों में लुप्त हो रही प्रजाति जाल के पौधे लगाए। भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने मुख्यातिथि सहित उपस्थित अन्य अधिकारीगणों, शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों का स्वागत किया। साथ ही अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने का सभी से आह्वान कर उनका महत्व भी बताया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित कर्मचारी भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि किरण न्यूज	17.9.2023	--	--

Hari Kiran News

पौधरोपण के बाद उनका पालन-पोषण व प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रो. बीआर कम्बोज

एचएयू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 73वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में पौधरोपण किया

हिसार। पेड़-पौधे हमारे जीवन के रक्षक है। इसलिए खास अवसर पर जैसे जन्मदिवस, पूजा-अर्चना में पौधरोपण जरूर करें। पौधरोपण के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी जरूरी है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कही। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 73वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण करने के उपरांत उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के भू-दृश्य संरचना इकाई की ओर से किया गया। मुख्यातिथि प्रो. कम्बोज ने सर्वप्रथम अमृत महोत्सव के दौरान 75 हजार पेड़ लगाने पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, गैरशिक्षक कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी है। हमें ऐसे महान व्यक्तित्व के जन्मदिवस पर पौधरोपण करना उन्हें सही मायनों में जन्मदिन की बधाई देना है। उन्होंने कहा कि घर में चाहे कोई भी कार्यक्रम हो या फिर परिवार के किसी का जन्मदिन भी हो तो अवश्य एक पौधा जरूर लगाए। साथ ही उसकी देखभाल करने की शपथ भी लें। उन्होंने कहा कि हमारे देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी कहा था कि धरती माता हमें अनाज देने में सक्षम है लेकिन यह हमारे लालच को पूरा नहीं कर सकती। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारियों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया। मुख्यातिथि ने पौधरोपण कार्यक्रम में पौधों में खुद हो रही प्रजाति जाल के पौधे लगाए।

भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने मुख्यातिथि सहित उपस्थित अन्य अधिकारीगणों, शिक्षाविदें, वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों का स्वागत किया। साथ ही अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने का सभी से आह्वान कर उनका महत्व भी बताया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जोतराम शर्मा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित कर्मचारी भी मौजूद रहे।